विश्व में मंदारिन नहीं ; हिन्दी है पहले स्थान पर !! (शोध पत्र 2012)

• **डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल**
उप महा प्रबंधक
कार्पोरेशन बैंक, प्रधान कार्यालय, मंगलूर - 575 001
कर्नाटक, भारत
ईमेल : jpn@corpbank.co.in, मोः 09900068722
वेबसाइट : www.drjpnautiyal.com

पृष्ठभूमिः

1981 से आरंभ हुई मेरी भाषा शोध का परिणाम सर्वप्रथम भारत सरकार द्वारा प्रकाशित हिन्दी पत्रिका राजभाषा भारती में 1997 में प्रकाशित हुआ था इस शोध को भारत के भाषा विदों, बुद्धि जीवियों व हिन्दी प्रेमियों ने खूब सराहा तथा सुझाव दिया कि विश्व के प्रमुख देशों के दूतावासों से जानकारी प्राप्त करके इस शोध को विश्वस्तर पर हिन्दी व अंग्रेजी में प्रकाशित किया जाए। इन सुझावों को अमल में लाते हुए मैंने विश्व के समस्त दूतावासों से सम्पर्क करके अपनी शोध में प्रामाणिक सामग्री जुटाई व सन् 2005 में यह शोध रिपोर्ट विश्व के कोने - कोने में इन्टरनेट के माध्यम से व वेब पत्रिकाओं के माध्यम से प्रकाशित हुई। जिसमें हिन्दी जानने वालों की संख्या विश्व में सर्वाधिक है यह निर्विवाद रूप से सिद्ध हुआ।

विश्व के कुछ विद्वानों ने इस शोध पर कुछ स्पष्टीकरण माँगा व कुछ ने हिन्दी व उर्दू को एक भाषा मानने पर असहमति जताई लेकिन मैंने भाषा - विज्ञान के सिद्धांतों व व्याकरण संरचना के सिद्धांतों द्वारा उन्हें इस मत पर सहमत कराया कि हिन्दी व उर्दू एक ही भाषा है। उर्दू को हिन्दी की एक शैली कहा जा सकता है और उपभाषा के रूप में इसे हिन्दुस्तानी नाम दिया जा सकता है इन बिंदुओं को समेकित करते हुए सन् 2007 में इस शोध को पुनः अद्यतन किया गया। इस नए गणना विधान से भी विश्व में हिन्दी पहले स्थान पर ही रही।

इस शोध की पुनः समीक्षा की गई व विश्व के विद्वानों से प्राप्त इनपुट की मदद से इसमें नवीनतम जन संख्या के आधार पर आँकड़ों की जाँच व प्रति जाँच से नवीनतम शोध रिपोर्ट 2009 में प्रकाशित हुई। इस रिपोर्ट में विश्व में भौगोलिक खण्ड के आधार पर आँकड़े दिए गए। इस बार भी हिन्दी का स्थान प्रथम ही रहा व चीनी भाषा दूसरे नंबर पर रही। अब तक शोध के परिणाम को सार रूप में निम्नवत् प्रस्तुत किया जा सकता है।

(आँकड़े मिलियन में)

शोध रिपोर्ट का वर्ष	विश्व में हिन्दी जानने वाले	विश्व में चीनी जानने वाले	अंतर
शोध रिपोर्ट 1997	800	730	+70
शोध रिपोर्ट 2005	1022	900	+122
शोध रिपोर्ट 2007	1023	920	+103
शोध रिपोर्ट 2009	1100	967	+133
शोध रिपोर्ट 2012	1200	1050	+150

स्रोतः डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल द्वारा किया गया शोध अध्ययन सन् 2012.

Globally Hindi is Numero Uno and not Mandarin..!!(Research Paper 2012)

• **Dr. Jayanti Prasad Nautiyal**
Deputy General Manager,
Corporation Bank, H O, Mangalore-575 001
Karnataka, India
E mail: jpn@corpbank.co.in, Mobile: 09900068722
Website: www.drjpnautiyal.com

Background

The results of my linguistic research which had commenced in 1981 was published in Rajbhasha Bharathi (A Govt of India publication) in the year 1997 which won rave reviews, appreciation, recognition and suggestions from noted linguists and Intellectuals all over the world who in turn opined that this research be published bilingually in the world arena with the addition of data compiled from Embassies all over the world. Acting on these invaluable suggestions I have compiled and incorporated data received from the embassies and authentic sources in my research. In 2005, through internet this study was published through web journals which needless to say have been successful in popularising my research in all corners of the world. It has been proved without a shred of doubt that Hindi and not Mandarin is Numero Uno in International lingustic arena.

Few linguists wanted some clarifications, some linguists raised objection over the treatment of Hindi and Urdu as one language. I have laid all objections and clarifications to rest by proving my point using linguistic and grammatical rationale .My points were well received and they have univocally accepted Hindi and Urdu as one. Urdu is Hindi in a different style and as an associate language can be called Hindustani. In 2007 I have updated my research including these facts needless to say Hindi still emerged as Numero Uno in the world arena.

This research was again reviewed and updated with latest census reports and was published in 2009. In this report data was compiled on the basis of geographical areas / regions and unsurprisingly Hindi still came on top while Chinese had to be content with the second spot. The gist of results of my research is summarized here-below:

(In Millions)

Year of Research	Hindi knowing people in the world	Mandarin knowing people in the world	Variation
Research Report 1997	800	730	+ 70
Research Report 2005	1022	900	+ 122
Research Report 2007	1023	920	+ 103
Research Report 2009	1100	967	+ 133
Research Report 2012	1200	1050	+ 150

Source: Research Study by Dr. J.P. Nautiyal, 2012

शोध रिपोर्ट 2009 के बाद भी यह भाषा शोध अध्ययन जारी रहा । इसकी नवीनतम रिपोर्ट 2012 मैं तैयार हो चुकी है । इस रिपोर्ट का सार आगे दिया जा रहा है ।

2012 की शोध रिपोर्ट के परिणाम

यह शोध रिपोर्ट भी इस सत्य को उजागर करती है कि विश्व भर में हिन्दी जानने वाले सबसे अधिक हैं चीनी भाषा अर्थात् मंदारिन जानने वालों की संख्या हिन्दी से काफी पीछे है । आज की जन संख्या के हिसाब से विश्व में हिन्दी जानने वालों की संख्या 1200 मिलियन है तथा विश्व में मंदारिन जानने वाले 1050 मिलियन हैं । यह स्पष्ट है कि हिन्दी जानने वालों की संख्या में निरंतर तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है जबकि चीनी भाषा (मंदारिन) की गति धीमी है । इसके निम्नलिखित कारण हैं:

1. चीन में मंदारिन की अपेक्षा अंग्रेजी का मोह बढ़ रहा है । हिन्दी आसान भाषा होने के कारण भारत में व विश्व में बड़ी तेजी से हिन्दी सीखने की होड़ सी लगी है ।

2. चीन की जन संख्या को पहले ही मंदारिन के जानकार दर्शाते हुए सम्पूर्ण आबादी की गणना पहले ही हो चुकी है । अतः इसमें बढ़ोत्तरी सिर्फ जनसंख्या वृद्धि होने पर ही हो रही है जबकि भारत की जनसंख्या में केवल खड़ी बोली जानने वालों को ही हिन्दी भाषा के अन्तर्गत गिना जाता था । मेरे इस शोध से स्थिति में बदलाव आया है ।

3. भारत की उप बोलियों अन्य भाषाओं के स्थान पर नई पीढ़ी केवल हिन्दी को पारिवारिक व सामाजिक व्यवहार की भाषा के रूप में स्वीकार कर चुकी है अतः नई पीढ़ी हिन्दी की जानकार हो गई है ।

4. हिन्दी फिल्मों/गानों तथा इलेट्रॉनिक मीडिया की यह पसंदीदा भाषा है । विज्ञापन जगत की तो यह आधार भाषा बन गई है । विज्ञापन अंग्रेज़ी में होने पर भी ''टैग लाइन'' हिन्दी में होना, हिन्दी के प्रति जनता के बढते प्रेम को दर्शाता है ।

5. भारत को एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में देखा जा रहा है । दक्षेस देश (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) कभी भी एक मुद्रा (अर्थात् रूपया) और एक भाषा यानि हिन्दी को अपना सकते हैं । वैसे भी दक्षेस देशों में हिन्दी का प्रचलन काफी तेज़ी से बढ़ रहा है ।

6. भारत सरकार द्वारा हिन्दी प्रचार के लिए किए जा रहे प्रयासों से तथा अनेक गैर सरकारी हिन्दी सेवी संगठनों के निस्वार्थ व समर्पित प्रयासों से हिन्दीतर क्षेत्रों में भी हिन्दी को सीखने की प्रवृत्ति, निरंतर बढी है । आज भारत का कोई शहर या कस्बा ऐसा नहीं है जहाँ हिन्दी को जानने वाले न हों । यह इस बात का पुष्ट प्रमाण है कि हिन्दी की स्वीकार्यता भारत में ही नहीं बल्कि विश्व में भी बढी है ।

I still continued working on this project of mine even after the publication of research study 2009 and now have the honour of presenting before you my updated report 2012. The gist of my report 2012 is illustrated here-below:

Results of Research study 2012

My study proves beyond a shred of doubt that Hindi beats Chineese "AKA" mandarin comfortably with regard to the language most spoken by people globally. As per the latest census report the number of people speaking Hindi is 1200 million while the number of people speaking Mandarin is just 1050 Million. The number of people speaking Hindi has increased steadily while there is slow growth in the number of people speaking Chinese "AKA" Mandarin which can be due to the following reasons:

1. English is fast becoming the most preferred language in China while Hindi in its simplicity is endearing itself not just to the people in India but to people world over. There has been an upward spurt in the interest in learning Hindi.

2. The data regarding the number of people conversant with Mandarin has been clubbed with the population and its increase is proportional to the increase in population whereas only those people who knew Khadi Boli (Hindi) were brought under the purview of people knowing Hindi and my research report has brought a substantial change in these statistics.

3. The new generation of Indians are using Hindi as the most preferred socio - economic language over other languages /associate languages.

4. Hindi is fast emerging as the favourite of Indian Cinema/songs and electronic media and is the preferred language of the advertising world. Hindi Tag lines in English advertisements are proof to the wide spread appeal and popularity of Hindi.

5. India is now being viewed as the new Economic Super power. South Asian Nations (SAARC) can at any time accept the concept of One currency "Rupees" and One language viz Hindi. Hindi is becoming extremely popular among SAARC Nations.

6. The interest for learning Hindi in Non Hindi Speaking areas is steadily picking up due to the dedicated , committed and enthusiastic efforts put in by Govt of India and Voluntary Organisations. Even people in the most remote and far-flung areas of India know Hindi. This is ample proof that the popularity of Hindi is mounting not just in India but the world over.

हिन्दी-उर्दू विवाद की समाप्तिः

भारत में आजादी से पूर्व हिन्दू तथा मुस्लिमों में धार्मिक वैमनस्य पैदा करने के लिए अंग्रेज़ों ने उर्दू को अलग भाषा बता कर हिन्दी और उर्दू को अलग-अलग करने की नाकाम कोशिश की । सत्य यह है कि उर्दू का जन्म भारत में हुआ । इसे पहले ''हिन्दवी'' या ''देहलवी'' कहा जाता था । मुगल सेना के शिविरों (कैंपों में) भी यह भाषा व्यवहृत होती थी । जो, हिन्दी साहित्य और उर्दू साहित्य का इतिहास जानते हैं उन्हें मालूम है कि उर्दू भारत में जन्मी भाषा है । मुगल शासकों की बेगमें अरबी, फारसी के शब्दों को हिन्दी वाक्य रचना में, ब्रज भाषा की कोमलता लिए हुए बोलती थी । इन तीन सुकोमल तत्वों से उर्दू भाषा बनी है । इसलिए उर्दू में इतनी नज़ाकत और नफासत है । उर्दू को पहले ''बेगमानी जुबान'' भी कहा जाता था अर्थात् बेगमों की भाषा । यह भाषा लाल किले से बाहर आई तो मुगल सिपाहियों, दरबारियों व दूकानदारों तक जा पहुँची । यही है उर्दू भाषा का इतिहास । उर्दू में सारा व्याकरण और वाक्य संरचना हिन्दी की है । भाषा विज्ञान की दृष्टि से उर्दू और हिन्दी एक ही भाषा की दो शैलियाँ है । व्याकरण की दृष्टि से दोनों एक ही हैं ।

दोनों भाषाओं में अंतर कैसे ?

वस्तुतः अंग्रजों के भाषा द्वेष संबंधी षडयंत्र में फंस कर शुद्धितावादी मुल्लाओं ने उर्दू में अरबी और फारसी के कठिन से कठिन शब्द जोड़ने शुरू कर दिए व इस लिखने के लिए नस्तालिक लिपि अपना ली । दूसरी ओर शुद्ध हिन्दी के पक्षधर पंडितों ने हिन्दी में संस्कृत के कठिन से कठिनतम शब्दों का प्रयोग करते हुए इसे यथा संभव बोझिल व जटिल बना दिया । इसके परिणाम स्वरूप दोनों शैलियों में दूरियाँ बढ़ती चली गई और दोनों ही जन सामान्य में दो भाषाओं के रूप में देखी जाने लगी ।

सामान्य बोलचाल की हिन्दुस्तानी भाषा ही हिन्दी है । अतः इसे हिन्दी व उर्दू के रूप में अलग - अलग देखना बहुत बड़ी भूल है । लिपि अलग होने से भाषा नहीं बदलती । देवनागरी लिपि में 8 भाषाएँ लिखी जाती हैं परन्तु उन्हें हिन्दी नहीं कहा जाता । इसी प्रकार फारसी लिपि होने से उर्दू अलग भाषा नहीं हो सकती । उत्तर भारत में उर्दू देवनागरी लिपि में ही लिखी जाती है ।

हिन्दी तीसरे या चौथे नंबर पर क्यों?

विश्व में भाषा संबंधी वेब साइटों में व विश्व में भाषा संबंधी आँकड़े रखने वाली संस्थाओं ने हिन्दी के नाम पर सिर्फ खड़ी बोली के आँकड़े इकट्ठे किए हैं । हिन्दी की बोलियाँ जो हिन्दी भाषा का अभिन्न अंग हैं व वृहत्तर स्वरूप में वे हिन्दी ही हैं उनके आँकडे अलग - अलग दर्शाए जाते हैं । इन सब उपभाषाओं/बोलियों जैसे राजस्थानी, अवधी, ब्रज, बिहारी, मैथिली, भोजपुरी, हरियाणवी आदि को हिन्दी भाषा में नहीं जोड़ा गया । इस प्रकार हिंदी जानने वालों की संख्या मात्र 500 मिलियन तक दिखाई जाती है जबकि विश्व में हिन्दी जानने वाले

Hindi - Urdu Controversy- Finale

During the pre independence era, the British tried unsuccessfully to dissect Urdu from Hindi and make it a separate entity to create communal discord. Fact is that Urdu originated in India and was formerly known as Hindavi or Dahlvi. This language was used in camps of the Mogul Army. Those cognizant with Hindi and Urdu literature are aware of the fact that Urdu has actually originated in India. The Mogul queens used to combine Arabic, Persian and Braj Bhasha words in Hindi syntax. Urdu owes its origin to these endearing aspects. This is the reason for Urdu's delicacy & sophistication (exquisiteness). Urdu was formerly also called BEGAMANI ZUBAAN or language used by the begums. The language fast gained popularity not only with the people in the Red Fort but also among Mogul soldiers , those in Royal Court and vendors etc. This is the innate history of Urdu Language. The Gramatical structure and syntax of Urdu is identical as that of Hindi and we can safely say that it is one and the same.

Hindi - Urdu : Disparity..?

Radical Muslims fell victims to plot hatched by the British and started to incorporate complex Arabic -Persian words and accepted "Nastalik"(Persian) script for writing Urdu. On the other hand those Pandits in favour of pure Hindi started using complex and convoluted Sanskrit words thereby making Hindi more complex and complicated. This caused a rift among these two languages and with the passes of time this ever widening rift caused people to view Urdu and Hindi as two languages.

Hindustani language which is used in normal conversations is Hindi. Hence it would be extremely wrong to view these separately as Hindi and Urdu. Language cannot be deemed as different just on the basis of its script. Eight different languages use Devanagari script for writing but these languages cannot be deemed as Hindi. Likewise Urdu cannot be deemed as a separate language just because Urdu is written in Persian (Nastalik) Script. Another point to be noted is that in North India ,Urdu is written in Devanagari Script.

Why is Hindi relegated to third and fourth positions ?

The linguistic data regarding Hindi by International linguistic organisations and linguistic websites is based on people using Khadi boli(Hindi) only. The data regarding the associate languages of Hindi which are

1200 मिलियन हैं व चीनी जानने वालों की संख्या विश्व में 1050 मिलियन है । विश्व की भाषाओं में हिन्दी का पहला स्थान है व मंदारिन का दूसरा स्थान है । विश्व के विद्वानों से मैं पुनः अपील करता हूँ कि वे हिन्दी जानने वालों की संख्या दिखाते समय हिन्दी को पहले स्थान पर दिखाएँ व चीनी (मंदारिन) भाषा को दूसरे स्थान पर ।

आश्चर्जनक किंतु सत्य !!!!!!

आपको यह जानकार आश्चर्य होगा कि विश्व की कुल जन संख्या सात अरब है (7028891239) इन में से हिन्दी जानने वाले 1207393250 हैं । अर्थात् हर छठवाँ व्यक्ति हिन्दी जानता है !!

संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दीः

संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकृत भाषाओं में विश्व की सर्वाधिक जानी जाने वाली भाषा का अधिकृत भाषा न होना भारत का अपमान है । विश्व के सबसे बड़े गणतंत्र की भाषा को स्थान न देकर संयुक्त राष्ट्र संघ विश्व की 1/6 आबादी की भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहा है । भारत के व सभी स्वाभिमानी व राष्ट्रप्रेमी नागरिकों से तथा विश्व के हिन्दी प्रेमियों से मेरा विनम्र अनुरोध है कि हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकृत भाषा बनाने में सहयोग दें ।

भाषा शोध - कथ्य और तथ्यः

इस भाषा शोध अध्ययन में मैंने जो कुछ कहा है वह केवल कपोल कल्पना नहीं बल्कि तथ्यों और आंकड़ों का गहन अध्ययन और विश्लेषण करके कहा है । इसके प्रमाण स्वरूप भारत में तथा विश्व में हिन्दी जानने वालों की संख्या अनुबंध-1 एवं अनुबंध-2 में दी जा रही है । वर्तमान शोध में व इससे पूर्व शोध में राष्ट्रवार हिन्दी जानने वालों की संख्या में कहीं-कहीं काफी अंतर है । इसके कई जनसांख्यकीय कारण हैं । कुछ मामलों में संबंधित राष्ट्र के आंकड़ों व विश्व स्तर पर भाषा संबंधी आंकड़े रखने वाली संस्थाओं के आंकड़ों में पाई गई विसंगतियों, तथा विश्व के विद्वानों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों के कारण यह अंतर आया है । अनुबंध-1 में भारत में हिन्दी जानने वालों की संख्या दी गई है तथा अनुबंध-2 विश्व में हिन्दी जानने वालों की संख्या दर्शाता है ।

an intrinsic form of Hindi or rather they can be deemed as Hindi itself are shown separately. These associate languages viz Rajasthani, Awadhi, Braj, Bihari, Maithili, Bhojpuri, Hariyanavi etc are not counted in Hindi language, hence the data pertaining to those conversant with Hindi is shown as just 500 million whereas realistically the number of people conversant with Hindi is 1200 million. The number of people conversant with Chinese “AKA” Mandarin is just 1050 million. Hindi is numero uno with regard to the most popular language in the world whereas Chinese (Mandarin) comes second.

Amazing yet true !!!!!!

You may be surprised to note that world population is 7028891239 among which the total people knowing Hindi is 1207393250…. Meaning one among six people know Hindi !!

Hindi in UN

It is quite derogatory that Hindi which is the most popular language in the world has not found a place among the authorized languages of United Nations. By not accepting the language spoken by the largest republic, the United nations is messing with the emotions of 1/6th of the world population. It is my humble appeal to all self respecting , patriotic citizens of India and Hindi lovers all over the world to lend support to efforts for installing Hindi as one of the authorized languages of UN.

Language Study- Statistic and Facts

The contents reflected in this research study are based not on my vivid imagination but on hardcore facts and data , I have amassed from reliable sources. This study is the result of extensive research and analysis. As further proof I have enclosed as Annexure I – The details regarding the total people in India knowing Hindi and as Annexure II the details of the total people in the world knowing Hindi.

अनुबंध 1

भारत में हिन्दी जानने वालों की संख्या

राजभाषा अधिनियम 1976 यथा संशोधित 1987 के अनुसार 'क' क्षेत्र

क्र.स.	राज्य/संघ शसित क्षेत्र	कुल जनसंख्या	हिन्दी जानने वाले	हिन्दी जानने वालों का %
1	अंडमान एवं निकोबार	3,79,944	3,79,944	100
2	बिहार	10,38,04,637	10,38,04,637	100
3	छत्तीसग़ढ	2,55,40,196	2,55,40,196	100
4	दिल्ली	1,67,53,235	1,67,53,235	100
5	हरियाणा	2,53,53,081	2,53,53,081	100
6	हिमाचल प्रदेश	68,56,509	68,56,509	100
7	झारखंड	3,11,69,272	3,11,69,272	100
8	मध्य प्रदेश	7,25,97,565	7,25,97,565	100
9	राजस्थान	6,86,21,012	6,86,21,012	100
10	उत्तराखंड	1,01,16,752	1,01,16,752	100
11	उत्तर प्रदेश	19,95,81,477	19,95,81,477	100
	कुल	**56,07,73,680**	**56,07,73,680**	**100%**

संशोधित राजभाषा अधिनियम 1976 यथा संशोधित 1987 के अनुसार 'ख' क्षेत्र

12	चंडीगढ़	10,54,686	9,49,218	90
13	दादर एवं नगर हवेली	3,42,853	3,08,568	90
14	दमण एवं दीव	2,42,911	2,18,620	90
15	गुजरात	6,03,83,628	5,43,45,265	90
16	महाराष्ट्र	11,23,72,972	10,11,35,675	90
17	पंजाब	2,77,04,236	2,49,33,812	90
	कुल	**20,21,01,286**	**18,18,91,158**	**90%**

संशोधित राजभाषा अधिनियम 1976 यथा संशोधित 1987 के अनुसार 'ग' क्षेत्र

18	आन्ध्र प्रदेश	8,46,65,533	4,23,32,766	50
19	अरूणाचल प्रदेश	13,82,611	4,83,914	35
20	असम	3,11,69,272	1,24,67,709	40
21	गोवा	14,57,723	10,93,293	75
22	जम्मू एवं कश्मीर	1,25,48,926	1,12,94,033	90
23	कर्नाटक	6,11,30,704	3,05,65,352	50
24	केरल	3,33,87,677	1,50,24,454	45
25	लक्षद्वीप	64,429	19,329	30
26	मणिपुर	27,21,756	12,24,790	45
27	मेघालय	29,64,007	8,89,202	30
28	मिजोरम	10,91,014	3,27,304	30
29	नागालैंड	19,80,602	39,612	20
30	उड़ीसा	4,19,47,358	2,30,71,046	55
31	पांडिचेरी	12,44,464	2,48,892	20
32	सिक्किम	6,07,688	3,64,612	60
33	तमिलनाडु	7,21,38,958	1,44,27,791	20
34	त्रिपुरा	36,71,032	11,01,309	30
35	पश्चिम बंगाल	9,13,47,736	5,02,41,254	55
	कुल	**44,55,21,490**	**20,52,16,662**	**46.06%**

सारांश

	कुल जन संख्या	हिन्दी जानने वाले	प्रतिशत
क - क्षेत्र	56,07,73,680	56,07,73,680	100.00
ख - क्षेत्र	20,21,01,286	18,18,91,158	90.00
ग - क्षेत्र	44,55,21,490	20,52,16,662	46.06
कुल - संपूर्ण भारत	1,20,83,96,456	94,78,81,500	78.44
भारत को छोड़कर अन्य देश	5,82,04,94,783	25,95,11,750	04.45
सम्पूर्ण विश्व	7,02,88,91,239	1,20,73,93,250	17.17

स्रोतः डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल द्वारा किया गया शोध अध्ययन सन् 2012

Annexure 1

No.of People who know Hindi in India

'A' Region as per Ammended OL Rules

S.No.	State/ UT	Total Population	Knowing Hindi	% Knowing Hindi
1	Andaman & Nicobar Islands	3,79,944	3,79,944	100
2	Bihar	10,38,04,637	10,38,04,637	100
3	Chattisgarh	2,55,40,196	2,55,40,196	100
4	Delhi	1,67,53,235	1,67,53,235	100
5	Haryana	2,53,53,081	2,53,53,081	100
6	Himachal Pradesh	68,56,509	68,56,509	100
7	Jharkhand	3,11,69,272	3,11,69,272	100
8	Madhya Pradesh	7,25,97,565	7,25,97,565	100
9	Rajasthan	6,86,21,012	6,86,21,012	100
10	Uttarakhand	1,01,16,752	1,01,16,752	100
11	Uttar Pradesh	19,95,81,477	19,95,81,477	100
	Total	**56,07,73,680**	**56,07,73,680**	**100%**

'B' Region as per Ammended OL Rules

12	Chandigarh	10,54,686	9,49,218	90
13	Dadra & Nagar Haveli	3,42,853	3,08,568	90
14	Daman & Diu	2,42,911	2,18,620	90
15	Gujarat	6,03,83,628	5,43,45,265	90
16	Maharashtra	11,23,72,972	10,11,35,675	90
17	Punjab	2,77,04,236	2,49,33,812	90
	Total	**20,21,01,286**	**18,18,91,158**	**90%**

'C' Region as per Ammended OL Rules

18	Andhra Pradesh	8,46,65,533	4,23,32,766	50
19	Arunachal Pradesh	13,82,611	4,83,914	35
20	Assam	3,11,69,272	1,24,67,709	40
21	Goa	14,57,723	10,93,293	75
22	Jammu & Kashmir	1,25,48,926	1,12,94,033	90
23	Karnataka	6,11,30,704	3,05,65,352	50
24	Kerala	3,33,87,677	1,50,24,454	45
25	Lakshadweep	64,429	19,329	30
26	Manipur	27,21,756	12,24,790	45
27	Meghalaya	29,64,007	8,89,202	30
28	Mizoram	10,91,014	3,27,304	30
29	Nagaland	19,80,602	39,612	20
30	Orissa	4,19,47,358	2,30,71,046	55
31	Pondicherry	12,44,464	2,48,892	20
32	Sikkim	6,07,688	3,64,612	60
33	Tamilnadu	7,21,38,958	1,44,27,791	20
34	Tripura	36,71,032	11,01,309	30
35	West Bengal	9,13,47,736	5,02,41,254	55
	Total	**44,55,21,490**	**20,52,16,662**	**46.06%**

Summary

	Total Population	Knowing Hindi	%
A- Region	56,07,73,680	56,07,73,680	100.00
B- Region	20,21,01,286	18,18,91,158	90.00
C- Region	44,55,21,490	20,52,16,662	46.06
Total – All India	1,20,83,96,456	94,78,81,500	78.44
Other countries excluding India	5,82,04,94,783	25,95,11,750	04.45
Whole World	7,02,88,91,239	1,20,73,93,250	17.17

Source: Research Study 2012 by Dr. Jayanti Prasad Nautiyal

विश्व में हिन्दी जानने वालों की संख्या

क्रम सं	देश	हिन्दी जाननेवाले
1	भारत	947800000
2	पाकिस्तान	160000000
3	बांग्लादेश	56500000
4	नेपाल	18000000
5	म्यांमार	3000000
6	मलेशिया	2700000
7	यूनाईटेड किंगडम	2500000
8	अमेरिका	2200000
9	दक्षिण अफ्रीका	1500000
10	सऊदी अरब	1500000
11	संयुक्त अरब इमारात	1400000
12	कनाडा	1200000
13	बंगलादेशी शरणार्थी (भारत में)	1000000
14	मॉरिशस	880000
15	भूटान	800000
16	फ़ीजी	500000
17	त्रिनिडाड और	480000
18	कुवैत	470000
19	ओमान	465000
20	गुयाना	420000
21	सिंगापुर	310000
22	कतार	300000
23	सूरीनाम	260000
24	नीदरलैंड	260000
25	बहरीन	260000
26	थाइलैंड	170000
27	केनिया	150000
28	ऑस्ट्रेलिया	121000
29	यमन	110000
30	फिलीपीन	109000
31	जर्मनी	100000
32	इटली	100000
33	इंडोनेशिया	100000
34	तिब्बती शरणार्थी (भारत में)	100000
35	रीयूनियन (फ्रांस)	100000

क्रम सं	देश	हिन्दी जाननेवाले
36	नाइजीरिया	98000
37	श्रीलंका	96000
38	न्यूज़ीलैंड	92000
39	मैक्सिको	90000
40	तंज़ानिया	90000
41	जमैका	80000
42	इस्राइल	75000
43	फ्रांस	70000
44	पुर्तगाल	62000
45	हांगकांग	48000
46	अफगानिस्तान	47000
47	स्पेन	40000
48	मोज़ांबीक	40000
49	रूस	37000
50	लीबिया	30000
51	मैडागास्कर	29000
52	युगांडा	28000
53	बोट्सवाना	26000
54	चीन	25000
55	पोलैंड	24000
56	अर्जेंटीना	23500
57	ज़ाम्बिया	22000
58	जापान	20000
59	स्वीट्ज़रलैंड	19000
60	स्वीडेन	18000
61	नॉर्वे	17000
62	कोरिया	16000
63	ऑस्ट्रिया	14000
64	सेशेल्स	12500
65	लेबनान	12000
66	बेल्जियम	12000
67	ब्रुनेई	11000
68	मालदीव	10000
69	ग्रीस	10000
70	यूक्रेन	9000

क्रम सं	देश	हिन्दी जाननेवाले
71	फिनलैंड	8500
72	इक्वाडोर	7500
73	ग्वाटेमाला	7200
74	घाना	6500
75	निकारागुआ	6000
76	विएतनाम	6000
77	वैनेज़ुएला	5900
78	सूडान	5800
79	सेंट लूसिया	5700
80	प्युरटो रिको	5700
81	जॉर्डन	5500
82	पनामा	5000
83	इजिप्ट	5000
84	साइप्रस	5000
85	दक्षिण कोरिया	3000
86	डेन्मार्क	3000
87	ब्राज़ील	2500
88	ताइवान	2500
89	सीरिया	2400
90	आयरलैंड	2300
91	ज़िंबाब्वे	2000
92	चेक गणतंत्र	2000
93	कज़ाकिस्तान	1700
94	सीरा लियोन	1500
95	इथिओपिया	1400
96	वर्जिनिया	1400
97	उज़बेकिस्तान	1400
98	ईरान	1300
99	चिली	1300
100	कोंगो	1250
101	शेष 105 देशों में	100000
कुल		**1207393250**
विश्व की कुल जन संख्या		**7028891239**
हिन्दी जानने वालों का %		**17.17**

स्रोत: डॉ. जयन्ती प्रसाद नौटियाल द्वारा दिया गया शोध अध्ययन सन् 2012

Annexure- 2

No. of people who know Hindi in the world

S. No.	Country	Hindi Knowing population
1	India	947800000
2	Pakistan	160000000
3	Bangladesh	56500000
4	Nepal	18000000
5	Myanmar	3000000
6	Malaysia	2700000
7	United Kingdom	2500000
8	America	2200000
9	South Africa	1500000
10	Saudi Arabia	1500000
11	United Arab Emirates	1400000
12	Canada	1200000
13	Bangladeshi Refugees (in India)	1000000
14	Mauritius	880000
15	Bhutan	800000
16	Fiji	500000
17	Trinidad & Tobago	480000
18	Kuwait	470000
19	Oman	465000
20	Guyana	420000
21	Singapore	310000
22	Qatar	300000
23	Surinam	260000
24	Netherland	260000
25	Bahrain	260000
26	Thailand	170000
27	Paragua	150000
28	Australia	121000
29	Yemen	110000
30	Philippines	109000
31	Germany	100000
32	Italy	100000
33	Indonesia	100000
34	Tibetan Refugees (in India)	100000
35	Reunion (France)	100000

S. No.	Country	Hindi Knowing population
36	Nigeria	98000
37	Sri Lanka	96000
38	New Zealand	92000
39	Mexico	90000
40	Tanzania	90000
41	Jamaica	80000
42	Israel	75000
43	France	70000
44	Portugal	62000
45	Hong Kong	48000
46	Afghanistan	47000
47	Spain	40000
48	Mozambique	40000
49	Russia	37000
50	Libya	30000
51	Madagascar	29000
52	Uganda	28000
53	Botswana	26000
54	China	25000
55	Polland	24000
56	Argentina	23500
57	Zambia	22000
58	Japan	20000
59	Switzerland	19000
60	Sweden	18000
61	Norway	17000
62	Korea	16000
63	Austria	14000
64	Seychelles	12500
65	Lebanon	12000
66	Belgium	12000
67	Brunei	11000
68	Maldives	10000
69	Greece	10000
70	Ukraine	9000

S. No.	Country	Hindi Knowing population
71	Finland	8500
72	Ecuadaor	7500
73	Guatemala	7200
74	Ghana	6500
75	Nicaraua	6000
76	Vietnam	6000
77	Venezuela	5900
78	Sudan	5800
79	Saint Lucia	5700
80	Puerto Rico	5700
81	Jordan	5000
82	Panama	5000
83	Egypt	5000
84	Cyprus	5000
85	South Korea	3000
86	Denmark	3000
87	Brazil	2500
88	Taiwan	2500
89	Syria	2400
90	Ireland	2300
91	Zimbabwe	2000
92	Czech Republic	2000
93	Kazakhstan	1700
94	Seira Leone	1500
95	Ethiopia	1400
96	Virginia	1400
97	Uzbekistan	1400
98	Iran	1300
99	Chile	1300
100	Congo	1250
101	Remaining 105 Countries	100000
कुल		**1207393250**
World Total population		**7028891239**
% Knowing Hindi		**17.17**

Source: Research Study 2012 by Dr. Jayanti Prasad Nautiyal

संक्षिप्त जीवन वृत्त (बायोडाटा)

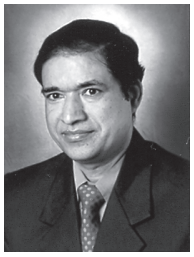

नाम - **डॉ जयन्ती प्रसाद नौटियाल**

जन्म तिथि व जन्म स्थान - **03.03.1956 देहरादून (उत्तराखण्ड)**

कुल योग्यताएँ (शैक्षिक / व्यावसायिक/विविध)	**58**	**58 डिग्री, डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र** **मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों / बोर्डों / संस्थानों से अर्जित** **(कुल 242 प्रश्न पत्र उत्तीर्ण / पूर्ण किए)**
शैक्षिक योग्यता	**9**	**9 डिग्री/डिप्लोमा:** इनमें एम.ए हिंदी (स्वर्णपदक), एम.ए. (अंग्रेजी), पी.एच.डी (भाषा विज्ञान), डी.लिट, एल.एल.बी आदि शामिल हैं ।
व्यावसायिक योग्यता	**27**	**27 डिग्री/डिप्लोमा:** इनमें एम.बी.ए (बैंकिंग एवं वित्त), सी.ए.आइ.आइ.बी, डी.बी.एम.सी.पी.डी. आदि शामिल हैं ।
विविध प्रशिक्षण	**22**	**22 प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र:** इन प्रशिक्षणों में विभिन्न प्रकार के 68 विषयों पर प्रशिक्षण लिया व प्रमाण - पत्र प्राप्त ।
अनुभव	**43**	43 विभागों/संगठनों में 33 पदों पर सेवा जिनमें पत्रकार, चित्रकार, सम्पादक, रीडर आदि से लेकर राष्ट्रीयकृत बैंक में सहायक महा प्रबंधक पद पर सेवा शामिल हैं ।
विशिष्ट कार्य	**66**	66 प्रकार के विशिष्ट दायित्वों का निर्वाह जिनमें शोध निर्देशक, बोर्ड आफ स्टडीज़ के सदस्य, शिक्षा सलाहाकार, बैंकिंग शब्दावली विशेषज्ञ, परीक्षा प्रशासक, चयन बोर्ड के सदस्य जैसे कार्य शामिल हैं ।
समितियों में प्रतिनिधित्व	**70**	70 शीर्ष समितियों में प्रतिनिधित्व (भा.रि.बैं/भा.बैं.सं/रा.बैं.प्र.सं/भारत सरकार एवं बैंक द्वारा गठित)
साहित्यिक योगदान	**1529**	57 पुस्तकें प्रकाशित (इनमें अनेक पुस्तकें विश्वविद्यायों की पाठ्य पुस्तकें/संदर्भ ग्रंथ हैं) (इनमें 31 पुस्तकें स्वयं लिखी व 26 संयुक्त लेखन) 93 पुस्तकों/प्रक्रियात्मक साहित्य का अनुवाद (संयुक्त अनुवाद) 14 राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर की पत्रिकाओं के अनेक अंकों का सम्पादन 92 राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय संगोष्ठियों में शोध पत्र/आलेख प्रस्तुत (यू.जी.सी/सरकार द्वारा अनुमोदित) 73 कार्यक्रम आकाशवाणी पणजी (गोवा) तथा मंगलूर से प्रसारित 1200 लेख विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित
सम्मान/पुरस्कार	**56**	56 हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार व साहित्यिक योगदान के लिए भारत सरकार एवं प्रतिष्ठित संस्थाओं से 3 अन्तर्राष्ट्रीय 42 राष्ट्रीय तथा 11 राज्य स्तरीय पुरस्कार / सम्मान प्राप्त
प्रशस्ति-पत्र	**30**	30 व्यावसायिक दक्षता एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र (Appreciation Letters) प्राप्त
सम्प्रति		डॉ जयन्ती प्रसाद नौटियाल, उप महा प्रबंधक कार्पोरेशन बैंक (भारत सरकार का अग्रणी उद्यम) कार्पोरेट कार्यालय, पांडेश्वर, मंगलूर, पिन 575001 कर्नाटक राज्य, भारत ईमेलःjpn@corpbank.co.in, वेबसाइटः www.drjpnautiyal.com मोः 9900068722

Brief Bio-data of Dr. J P Nautiyal – The Facts & Figures

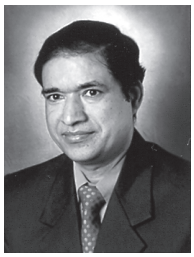

Name - **Dr. Jayanti Prasad Nautiyal**

Date of Birth - **03-03-1956, Dehradun, Uttarakhand**

Total Number of Degree, Diploma & Certificates acquired :	58	58 Degree, Diploma & Certificate acquired from recognized Universities / Boards / Institutions. Total 242 Paper Passed / Completed.
Educational-Qualifications:	9	9 Degree/Diplomas (which includes, M.A Hindi (Gold Medalist, Ist Rank in University), M.A. English, Ph. D (Linguistics), D. Lit, (Through Post Doctoral Research) LL.B etc.
Professional Qualifications:	27	27 Degree/Diplomas (which includes, M B A in Banking & Finance, C A I I B, C P D, D B M, etc.
Training Passed/ Completed:	22	22 Professional / Skill Development Training Certificates acquired from Reputed & Recognised Institutions / Organisations (Studied 68 subjects)
Service Experience:	43	In 43 Organisations 33 Posts held, including Present Posting as Asst. General Manager In Corporation Bank – A Govt. of India Enterprise.
Academic & Special Assignments:	66	66 Various assignments like, Research Guide, Member- Board of Studies, Expert Banking Terminology, Chief Test Administrator etc handled.
Representation in committees	70	Representation in 70 Apex Committees constituted by RBI/IBA/IIBF/Govt. of India and Bank
Achievement in Literary Field:	1529 1529	57 Books Published on various subjects/Topics (31+26 jointly) 93 Books & procedural Literature Translated & Published (Jointly) 14 Magazines – Edited several Issues 92 Research Papers/Monographs Presented at National/State level Seminars (UGC Approved) 73 Educative Lessons / Programmes were broadcast by All India Radio 1200 Articles Published in Various magazines Total Literary Contributions
Awards/Honours/Prizes	56	56 Awards / Honours / Prizes received for Literary activities (3 International 42 National Level & 11 state level awards / honour / prizes.)
Appreciation Letters	30	30 Appreciation Letters received for Professional excellence
Present Position		Dr. J P Nautiyal, Deputy General Manager Corporation Bank, (A Government of India Bank) Corporate office, Pandeshwar, Mangalore Pin 575001, Karnataka State, India Email: jpn@corpbank.co.in, Website: www.drjpnautiyal.com Mobile: 9900068722